

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5323
जिसका उत्तर 25 जुलाई, 2019 को दिया जाना है।

.....
तिरुवन्नामलै में जल संकट

5323. श्री सी.एन. अन्नादुरई:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि तिरुवन्नामलै क्षेत्र के निवासियों को गर्मी के महीनों के दौरान तीव्र जल संकट का सामना करना पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या इस क्षेत्र में लोगों को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने और किसानों के लिए सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था करने के लिए सतानूर जलाशय एकमात्र जल निकाय है;
- (ग) सतानूर बांध की कुल क्षमता और ऊंचाई कितनी है;
- (घ) क्या सतानूर जलाशय के निर्माण के बाद इसकी क्षमता और गहराई बढ़ाने के लिए इससे कभी गाद निकाली गयी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ङ) यदि नहीं, तो क्या इसकी क्षमता और ऊंचाई बढ़ाने के लिए कोई योजना विचाराधीन है; और
- (च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) और (ख) जल, राज्य का विषय होने के कारण, जल संसाधनों के प्रबंधन के लिए मुख्यतः संबंधित राज्य सरकारें उपाय करती हैं। भारत सरकार राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम जैसी विभिन्न स्कीमों के माध्यम से तकनीकी तथा वित्तीय सहायता मुहैया करके राज्य सरकारों के प्रयासों को अनुपूरित करती है। तिरुवन्नामलै क्षेत्र में पेयजल कवरेज की स्थिति **अनुलग्नक-1** में दी गई है।

केन्द्रीय भूजल बोर्ड आवधिक रूप से देश में सक्रिय भूजल संसाधनों का मूल्यांकन करता है। वर्ष 2017 में किए गए मूल्यांकन के अनुसार, तमिलनाडु के तिरुवन्नामलै जिले में कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण 1.1 बिलियन क्यूबिक मीटर तथा विकास योग्य वार्षिक भूजल संसाधन 1 बीसीएम है। सभी प्रकारों के उपयोग (सिंचाई, औद्योगिक तथा घरेलू उपयोग) हेतु वार्षिक भूजल निकासी 1.1 बीसीएम है। केन्द्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार, वर्ष 2019 की मानसून पूर्व अवधि के दौरान तिरुवन्नामलै जिले में भूजल स्तर की गहराई भूजल स्तर (एम बीजीएल) भूजल के नीचे 2 तथा 20 मीटर की सीमा के बीच था। इसके अतिरिक्त, दशकीय औसत (2009-2018) की तुलना में भूजल स्तर में गिरावट अधिकांशतया 0-2 मीटर के बीच है।

(ग) बड़े बांधों की राष्ट्रीय पंजी (एनआरएलडी) (2019) के अनुसार सतानूर बांध की निवल जल भंडारण क्षमता तथा ऊंचाई (सबसे निचली नींव के ऊपर) क्रमशः 229.37 मिलियन क्यूबिक मीटर तथा 44.81 मीटर है।

(घ) से (च) बांधों की भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए उनमें से गाद निकालना मुख्यतया बांध स्वामियों की जिम्मेदारी होती है जो आमतौर पर राज्य सरकारें अथवा केन्द्र/राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम होते हैं। सामान्यतः बड़े बांधों से गाद निकालने का कार्य तकनीकी-आर्थिक रूप से संभव नहीं होता है। फिर भी, तमिलनाडु द्वारा दो बांधों अर्थात् कुंडाहपालम तथा पापनाशम के लिए सीमित दायरे में विश्व बैंक से सहायता प्राप्त बांध पुनर्वास तथा सुधार परियोजना के अंतर्गत गाद निकालने का कार्य किया गया है।

अनुलग्नक-1

“तिरुवन्नामलै में जल संकट” विषय पर दिनांक 25.07.2019 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारंकित प्रश्न संख्या 5323 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

तिरुवन्नामलै क्षेत्र में पेयजल कवरेज की स्थिति

क्र.	ब्लॉक	आवासों की कुल संख्या	पूर्णतया ढंके आवासों की संख्या	आंशिक रूप से ढंके हुए आवासों की संख्या	गुणवत्ता प्रभावित आवासों की संख्या
1	अनंकावूर	225	211	14	0
2	अरनी	195	195	0	0
3	चेनगाम	273	273	0	0
4	चेटपेट	233	233	0	0
5	चेय्यार	268	258	10	0
6	जवाधुहिल्स	325	325	0	0
7	कलसापक्कम	241	241	0	0
8	किलपेन्नाथुर	223	223	0	0
9	पेरानामाल्लुर	231	231	0	0
10	पोलुर	290	290	0	0
11	पुडुपालायम	217	217	0	0
12	थंडारामपेट	321	321	0	0
13	थेल्तार	309	309	0	0
14	तिरुवन्नामलै	292	292	0	0
15	थुरिनजापुरम	306	306	0	0
16	वंडावासी	303	295	8	0
17	वेमबाक्कम	286	278	8	0
18	पाश्चमी अरनी	215	215	0	0
	कुल	4753	4713	40	0

पूर्णता ढंके हुए:- प्रतिदिन प्रति व्यक्ति कम से कम 40 लीटर प्राप्त कर रहे हैं। (एलपीसीडी)
आंशिक रूप से ढंके हुए:- 40 एलपीसीडी से कम प्राप्त कर रहे।
गुणवत्ता प्रभावित:- जहा पर पेयजल रासायनिक रूप से सद्भूषित हैं।